Atrocities on migrant tribal women

श्री दिलीप कुमार तिर्की (ओडिशा): उपसभापति महोदय, भारत की कुल जनसंख्या में 8.6 परसेंट से ज्यादा हिस्सा ट्राइबल लोगों का है। ट्राइबल समुदाय अन्य समुदायों की तुलना में गरीब और पिछड़ा हुआ है। उनमें से ज्यादातर लोग आजीविका के लिए खेती और जंगलों पर निर्भर हैं मगर आजीविका के साधन घटने के कारण और गरीबी के कारण उड़ीसा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और पूर्वोत्तर के राज्यों से ट्राइबल महिलाएं दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में घरेलू नौकरों के रूप में काम करने के लिए पलायन कर रही हैं। इसमें अत्यंत चिंता की बात यह है कि नौकरी के लालच में लाई गईं ऐसी ट्राइबल महिलाएं महानगरों में अत्याचार और शोषण की शिकार हो रही हैं। उन्हें उचित मजदूरी नहीं दी जाती है और प्लेसमेंट एजेंट्स इन गरीब ट्राइबल महिलाओं के साथ धोखाधड़ी करते हैं, विरोध करने पर उन्हें मारा-पीटा भी जाता है। इस जोर-जुल्म से निकलने का उनके पास कोई रास्ता नहीं होता है और वे जानवरों जैसा सलूक सहने को मजबूर हो जाती हैं। इस तरह से उनकी जिंदगी बरबाद हो जाती है।

उपसभापति महोदय, आपके माध्यम से मेरा सरकार से यह अनुरोध है कि ट्राइबल माइग्रेंट लेबर का शोषण रोकने के लिए कठोर कानून बनाया जाए, उनको सामाजिक सुरक्षा दी जाए और शोषण करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): सर, मैं इस विषय के साथ एसोसिएट करता हूँ।

श्री पी.एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी इस विषय के साथ एसोसिएट करता हूँ।

SHRI DEREK O'BRIEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Dilip Kumar Tirkey.

SHRI SUKHENDU SEKHAR ROY (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Dilip Kumar Tirkey.

SHRI K.N. BALAGOPAL (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Dilip Kumar Tirkey.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Dilip Kumar Tirkey.

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं भी इस विषय के साथ एसोसिएट करता हूँ।

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार) : सर, मैं भी इस विषय के साथ एसोसिएट करता हूँ।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश) : सर, मैं भी इस विषय के साथ एसोसिएट करता हूँ।

श्री रामचन्द्र प्रसाद सिंह (बिहार) : सर, मैं भी इस विषय के साथ एसोसिएट करता हूँ।

श्री शरद यादव (बिहार) : उपसभापति महोदय,जिन माननीय सदस्य ने यह सवाल उठाया है, इस संबंध में मेरा आपसे निवेदन है कि इस देश में 11 करोड़ शेड्यूल्ड ट्राइब्स हैं। माननीय सदस्य ने उनकी एक समस्या तो उठाई। इस पर विस्तार से बात करें। इस देश में जितनी दुर्गति और खराब स्थिति उनकी है, उतनी किसी और वर्ग की नहीं है। उनके लिए कोई योजना चलती है, तो उसकी लूट हो जाती है। लूट के सिवाय कोई चीज नहीं है। इसलिए इस सवाल पर गहनता से विचार करने की आवश्यकता है। उसी इलाके में सबसे ज्यादा खनिज सम्पदा है। वहां उनकी बड़ी तबाही और बरबादी हो रही है। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि इस मामले में हाफ-एन-ऑवर डिसकशन रखा जाए और इस विषय के लिए समय भी ज्यादा दिया जाए, जिससे इस देश के ट्राइबल लोग किस तरह से तबाह हो रहे हैं, उन्हें किस प्रकार की दिक्कतें आ रही हैं, उनके बारे में विस्तार से चर्चा हो सके। वे लोग इतनी खराब स्थिति में हैं कि मैं उसका बयान नहीं कर सकता हूं। जब समय मिलेगा, तभी मैं बोल सकता हूं। इसलिए इसे जरूर उठाने का काम करें।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Notice can be given. It can be examined. ..*(Interruptions)*.. The names of all those who associated may be added. ...*(Interruptions)*... Now, Shri Tapan Kumar Sen. ..*(Interruptions)*..

श्री अली अनवर अंसारी : उपसभापति महोदय, कई आदिवासियों की प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री पी.एल. पुनिया : माननीय उपसभापति महोदय, मैं श्री शरद यादव जी की बात से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदय, मैं माननीय शरद यादव जी की बात से अपने को सम्बद्ध करती हूं और कहना चाहती हूं कि ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Viploveji, please sit down. ...*(Interruptions)*...

Reported move of Government to hand over major airports to private sector

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal) : Sir, please mind the clock. ..*(Interruptions)*.. Sir, please mind the clock. That is my first request.

I rise to draw the attention of this House to a surreptitious move of privatization of the Indian airports after pumping public money in modernizing those airports. The first tranche of proposal is listed. Request for qualification has been invited for Kolkata, Chennai, Ahmedabad and Jaipur Airports. And, as per the question replied in Rajya Sabha, some time last year, it has been admitted by the Government that only for Chennai and Kolkata Airports, 3,700 crores of rupees were invested for modernizing and expanding space, making space for more shops. Similarly, 20 airports in the country